दुश्मन पर बम और मिसाइलों से हमले करने में सक्षम होंगे,10 सालों के भीतर तैयार करने पर काम

हथियारों से लैस ड्रोन देश में ही तैयार होंगे

हिन्दुस्तान
खास

नई दिल्ली | मदन जैड़ा

सशस्त्र यानी हथियारों से लैस ड्रोन अब भारत में ही तैयार किए जाएंगे। इसके लिए रोडमैप तैयार कर लिया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) इसे तीनों सेनाओं के लिए बनाएगा। हालांकि, तात्कालिक जरूरतों के लिए अभी भारत 30 सशस्त्र ड्रोन अमेरिका से खरीदने जा रहा है।

रक्षा सूत्रों के अनुसार, अगले दस वर्षों में देश में सशस्त्र ड्रोन तैयार कर लिए जाएंगे। डीआरडीओ की कई प्रयोगशालाएं इस पर काम शुरू कर चुकी हैं। डीआरडीओ अपने मौजूद मानवविहीन विमानों को खासकर रुस्तम जी-2 को सशस्त्र ड्रोन के रूप में परिवर्तित करेगा। इसके अलावा नये ड्रोन प्लेटफॉर्म भी विकसित जाएंगे।

100
किलोमीटर मार करने में सक्षम

30
ड्रोन अमेरिका से खरीद रहे

युद्ध में सशस्त्र ड्रोन का महत्व बढ़ा

युद्ध में ड्रोन के साथ-साथ सशस्त्र ड्रोन का महत्व तेजी से बढ़ रहा है। पहले ड्रोन निगरानी एवं जासूसी के लिए इस्तेमाल होते थे लेकिन अब हमला करने के लिए भी प्रयुक्त हो रहे हैं। जानकारों का कहना है कि आने वाले समय में तमाम युद्ध ऐसे ही बिना पायलट वाले हथियारों से लैस छोटे विमानों और ड्रोन के जरिये लड़े जाएंगे।

भारत के पास सभी तकनीक

रक्षा विशेषज्ञ और डीआरडीओ के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. रवि गुप्ता ने कहा कि डीआरडीओ द्वारा विकसित रुस्तम जी अभी भी हथियारों को ले जाने में सक्षम है। इतना ही नहीं भारत के पास ड्रोन में इस्तेमाल होने वाली तमाम तकनीक मौजूद हैं। इनमें से काफी तकनीकों को रुस्तम जी में इस्तेमाल भी किया जा रहा है। इसलिए वह समय दूर नहीं जब देश में सशस्त्र ड्रोन का निर्माण शुरू हो जाएगा।